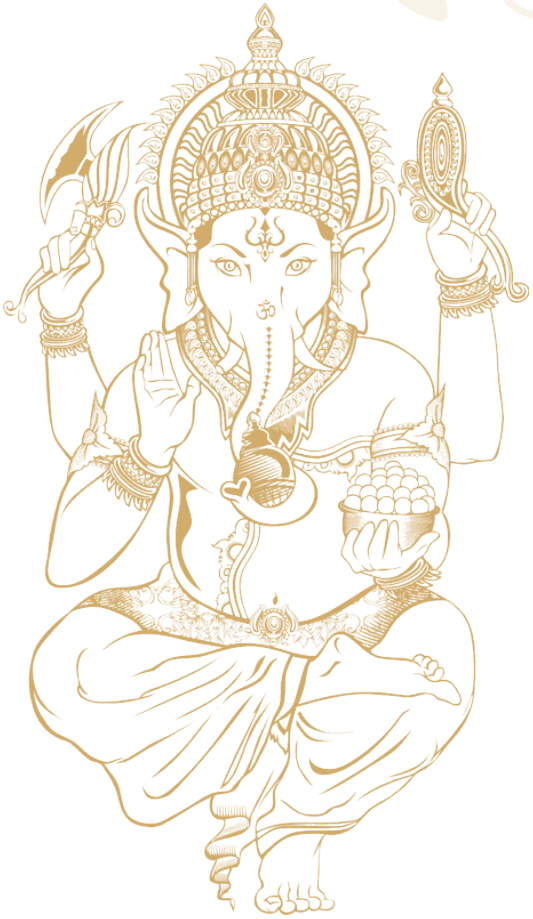

# Sabmit

17 May 1991

02:05 AM

Cuttack

Model: web-freekundliweb

Order No: 121433809

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **16-17/05/1991** |
| दिन | गुरु-शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **02:05:00 घंटे** |
| इष्ट | 52:18:16 घटी |
| **स्थान** | **Cuttack** |
| राज्य | Odisha |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 20:26:00 उत्तर |
| रेखांश | 85:56:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:13:44 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 02:18:44 घंटे |
| वेलान्तर | 00:03:41 घंटे |
| साम्पातिक काल | 17:54:57 घंटे |
| सूर्योदय | 05:09:41 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:15:50 घंटे |
| दिनमान | 13:06:09 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | ग्रीष्म |
| सूर्य के अंश | 01:44:04 वृष |
| लग्न के अंश | 04:37:16 मीन |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मीन - गुरु |
| **राशि-स्वामी** | **मिथुन - बुध** |
| **नक्षत्र-चरण** | **आर्द्रा - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | राहु |
| योग | धृति |
| करण | वणिज |
| गण | मनुष्य |
| योनि | श्वान |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मार्जार |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | वायु |
| जन्म नामाक्षर | कू-कुणाल |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृष |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मीन | 04:37:16 | 469:11:44 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | --- |
| सूर्य | | | वृष | 01:44:04 | 00:57:51 | कृतिका | 2 | 3 | शुक्र | सूर्य | गुरु | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | मिथु | 08:57:07 | 14:49:09 | आर्द्रा | 1 | 6 | बुध | राहु | गुरु | मित्र राशि |
| मंगल | | | कर्क | 00:38:46 | 00:34:40 | पुनर्वसु | 4 | 7 | चंद्र | गुरु | मंगल | नीच राशि |
| बुध | | | मेष | 06:09:13 | 01:10:03 | अश्विनी | 2 | 1 | मंगल | केतु | राहु | सम राशि |
| गुरु | | | कर्क | 13:04:31 | 00:07:45 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | राहु | उच्च राशि |
| शुक्र | | | मिथु | 14:54:44 | 01:05:52 | आर्द्रा | 3 | 6 | बुध | राहु | केतु | मित्र राशि |
| शनि | | | मक | 13:06:05 | 00:00:02 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | राहु | स्वराशि |
| राहु | व | | धनु | 26:31:45 | 00:02:19 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | केतु | नीच राशि |
| केतु | व | | मिथु | 26:31:45 | 00:02:19 | पुनर्वसु | 2 | 7 | बुध | गुरु | केतु | नीच राशि |
| हर्ष | व | | धनु | 19:44:46 | 00:01:21 | पूर्वाषाढ़ा | 2 | 20 | गुरु | शुक्र | राहु | --- |
| नेप | व | | धनु | 22:49:11 | 00:00:51 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | --- |
| प्लूटो | व | | तुला | 25:03:44 | 00:01:40 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | बुध | --- |
| दशम भाव | | | धनु | 05:06:11 | -- | मूल | -- | 19 | गुरु | केतु | मंगल | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:26

## लग्न-चलित

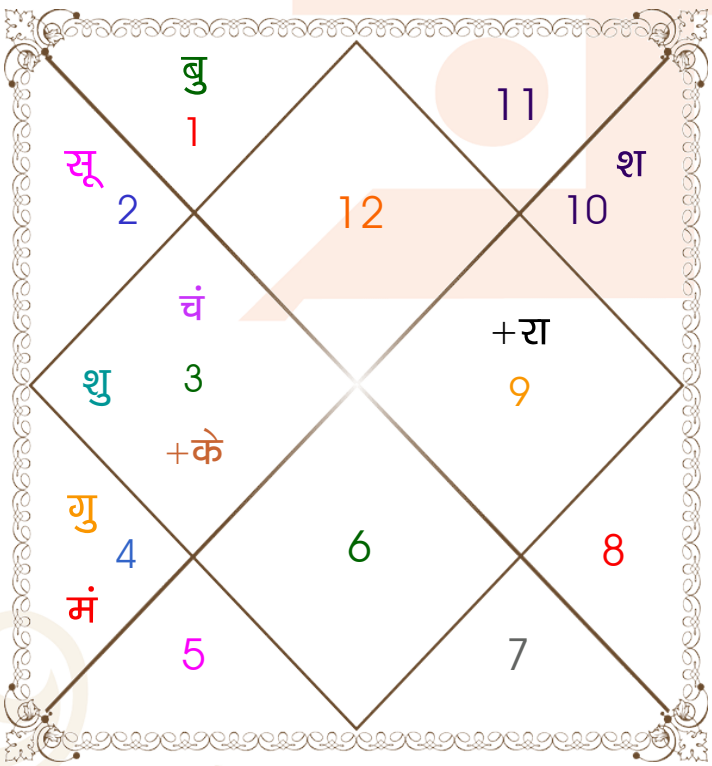


## चन्द्र कुंडली

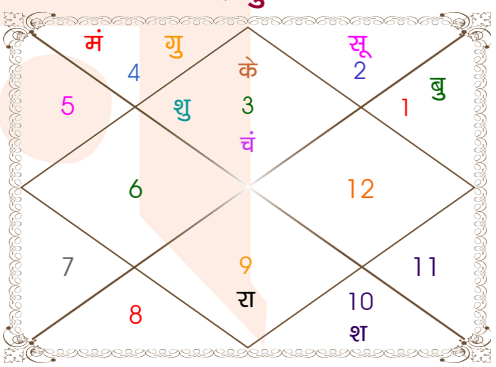


## नवमांश कुंडली

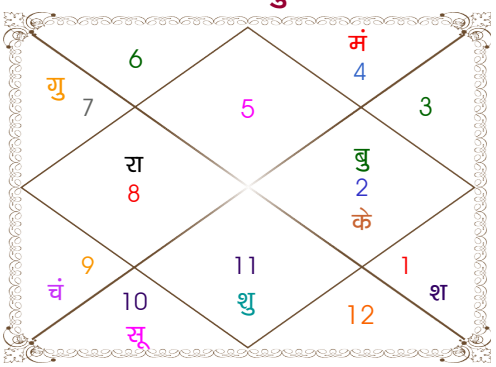

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 10 मास 29 दिन

| राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 17/05/1991 | | 15/04/2006 | | 15/04/2022 | | 15/04/2041 | | 15/04/2058 | |
| 15/04/2006 | | 15/04/2022 | | 15/04/2041 | | 15/04/2058 | | 15/04/2065 | |
| | 17/05/1991 | गुरु | 02/06/2008 | शनि | 18/04/2025 | बुध | 12/09/2043 | केतु | 11/09/2058 |
| गुरु | 22/05/1993 | शनि | 15/12/2010 | बुध | 27/12/2027 | केतु | 08/09/2044 | शुक्र | 12/11/2059 |
| शनि | 28/03/1996 | बुध | 22/03/2013 | केतु | 04/02/2029 | शुक्र | 10/07/2047 | सूर्य | 18/03/2060 |
| बुध | 15/10/1998 | केतु | 26/02/2014 | शुक्र | 06/04/2032 | सूर्य | 15/05/2048 | चंद्र | 17/10/2060 |
| केतु | 02/11/1999 | शुक्र | 27/10/2016 | सूर्य | 19/03/2033 | चंद्र | 15/10/2049 | मंगल | 16/03/2061 |
| शुक्र | 02/11/2002 | सूर्य | 15/08/2017 | चंद्र | 18/10/2034 | मंगल | 12/10/2050 | राहु | 03/04/2062 |
| सूर्य | 27/09/2003 | चंद्र | 15/12/2018 | मंगल | 27/11/2035 | राहु | 30/04/2053 | गुरु | 10/03/2063 |
| चंद्र | 28/03/2005 | मंगल | 21/11/2019 | राहु | 03/10/2038 | गुरु | 06/08/2055 | शनि | 18/04/2064 |
| मंगल | 15/04/2006 | राहु | 15/04/2022 | गुरु | 15/04/2041 | शनि | 15/04/2058 | बुध | 15/04/2065 |

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 15/04/2065 | | 15/04/2085 | | 16/04/2091 | | 16/04/2101 | | 16/04/2108 | |
| 15/04/2085 | | 16/04/2091 | | 16/04/2101 | | 16/04/2108 | | 00/00/0000 | |
| शुक्र | 15/08/2068 | सूर्य | 03/08/2085 | चंद्र | 14/02/2092 | मंगल | 12/09/2101 | राहु | 28/12/2110 |
| सूर्य | 15/08/2069 | चंद्र | 01/02/2086 | मंगल | 14/09/2092 | राहु | 01/10/2102 | गुरु | 18/05/2111 |
| चंद्र | 16/04/2071 | मंगल | 09/06/2086 | राहु | 16/03/2094 | गुरु | 07/09/2103 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 15/06/2072 | राहु | 04/05/2087 | गुरु | 16/07/2095 | शनि | 15/10/2104 | | 00/00/0000 |
| राहु | 15/06/2075 | गुरु | 20/02/2088 | शनि | 13/02/2097 | बुध | 13/10/2105 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 13/02/2078 | शनि | 01/02/2089 | बुध | 16/07/2098 | केतु | 11/03/2106 | | 00/00/0000 |
| शनि | 15/04/2081 | बुध | 08/12/2089 | केतु | 14/02/2099 | शुक्र | 11/05/2107 | | 00/00/0000 |
| बुध | 14/02/2084 | केतु | 15/04/2090 | शुक्र | 15/10/2100 | सूर्य | 16/09/2107 | | 00/00/0000 |
| केतु | 15/04/2085 | शुक्र | 16/04/2091 | सूर्य | 16/04/2101 | चंद्र | 16/04/2108 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 11 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकते हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगे तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगे। आप सदैव चाहते हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् नारियों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझते हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहते हैं। आप पत्नी के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाली कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगे तब आप और भी अच्छा कर सकते हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकते हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब के सदस्य होंगे एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगे। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि के द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाते हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आप एक चिंतनशील भावना के प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में

सोचते रहते है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालता है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करते हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकते हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।